कल तक जो कह रहे थे मन्दिर क्या खाने को देगा?
वही कुम्भ के मेले में दुकान लगाने को मरे जा रहे हैं।
जय श्रीराम जी 🙏🌹🙏

"सच्ची खोज अच्छी खबर"

ज्ञान सरोवर

तन बिगाड़ने वाले भोजन से,
मन बिगाड़ने वाले विचारों से

और मनोदशा बिगाड़ने वाले....
इंसान से सदैव दूर रहना चाहिए।
सुप्रभातम
हरे कृष्ण

R.N.I.Reg.No.MAHHIN/2009/27377 (हिन्दी साप्ताहिक) डाक पंजीकरण संख्या- MH/MR/North East/237/2012-14

वर्ा : 16 अंक : 51 (प्रत्येक गुरूवार) मुम्बई, 02 जनवरी से 08 जनवरी, 2025 पृठ : 8 मूल्य : 2.00 रूपये

नया साल आपके लिए खुशियां लेकर आए,

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देशवासियों को दी नए साल की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। देशभर में नए साल का जश्न धूमधाम से मनाया जा रहा है। नए साल के मौके पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी देशवासियों को शुभकामनाएं दी है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म

एक्स पर पोस्ट करते हुए उन्होंने कहा कि यह वर्ष सभी के लिए नए अवसर, सफलता और अनंत खुशियां लेकर आए। सभी को उत्तम स्वास्थ्य और समृद्धि का आशीर्वाद मिले। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने भी नए साल की पूर्व संध्या पर नागरिकों को बधाई देते हुए कहा कि मैं आप सभी को नववर्ष 2025 की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देता हूं। नववर्ष आपके और आपके प्रियजनों के जीवन में नई खुशियां और नया उत्साह लेकर आए। मुझे आशा है कि इस वर्ष के आपके सभी संकल्प पूरे होंगे।

यश ने अपने प्रशंसकों से सुरक्षा और सावधानी को प्राथमिकता देने की अपील की

मुंबई। रॉकिंग स्टार यश ने अपने जन्मदिन से पहले एक भावपूर्ण पत्र में प्रशंसकों से सुरक्षा और सावधानी को प्राथमिकता देने की अपील की है। केजीएफ फ्रैंचाइज़ से वैश्विक स्तर पर स्टार बनने वाले रॉकिंग स्टार यश का अपने प्रशंसकों के साथ हमेशा एक खास रिश्ता रहा है।

जैसे–जैसे साल खत्म होने वाला है, यश ने अपने प्रशंसकों से आग्रह किया है कि वे जश्न के दौरान अपनी सुरक्षा और सावधानी को प्राथमिकता दें, खासकर उनके जन्मदिन के दौरान। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि उन्हें खुशी इस बात से है कि उनके प्रशंसक असाधारण प्रदर्शनों में शामिल होने के बजाय अपने लक्ष्यों को प्राप्त कर रहे हैं और आगे बढ़ रहे हैं। अपने प्रशंसकों को संबोधित एक भावपूर्ण पत्र में, यश ने प्यार व्यक्त करने के तरीके को बदलने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने अतीत में अपने जन्मदिन के जश्न के दौरान हुई दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं पर विचार किया, जिसके परिणामस्वरूप दुखद रूप से लोगों की जान चली गई। इस साल की शुरुआत में उनके पिछले जन्मदिन (2024) पर कर्नाटक के गडग जिले में उनके तीन प्रशंसकों ने एक बड़ा जन्मदिन कटआउट लगाते समय अपनी जान गंवा दी थी। यश ने तुरंत शोक संतप्त परिवारों से मिलने के लिए यात्रा की थी, समर्थन और संवेदना व्यक्त की थी। इस दुखद घटना के बाद, यश ने अपने प्रशंसकों से बैनर लटकाने, खतरनाक बाइक का पीछा करने और लापरवाह सेल्फी लेने से परहेज करने का आग्रह किया। उन्होंने जोर देकर कहा कि ये कार्य प्रेम की सच्ची अभिव्यक्ति नहीं थे। मीडिया साक्षात्कार में, यश ने कहा, यदि आप मेरे सच्चे प्रशंसक हैं, तो अपना काम लगन से करें, अपना जीवन खुद को समर्पित करें, और खुश और सफल रहें। 2019 में एक अन्य घटना में, एक प्रशंसक ने अपने जन्मदिन पर यश से मिलने में असमर्थ होने के बाद दुखद रूप से आत्मदाह कर लिया। फिर भी, यश ने अपने प्रशंसकों से अपील की कि इस तरह की हरकतें प्रशंसकों की सच्ची छवि नहीं हैं और उनसे कभी भी इस तरह के कठोर कदम न उठाने की अपील की। इस साल अपने जन्मदिन से पहले, वह अपने प्रशंसकों की सुरक्षा की रक्षा के लिए एक सक्रिय कदम उठा रहे हैं। उन्होंने संयम बरतने की एक ईमानदार अपील की, इस बात पर जोर देते हुए कि उनकी सुरक्षा और भलाई उनके लिए अब तक का सबसे बड़ा उपहार है।

स्पैडेक्स परीक्षण भारत के अपने अंतरिक्ष स्टेशन, आगे के मिशन में मददगार होगा: जितेंद्र सिंह

नयी दिल्ली । भारत नए साल में अपने दो उपग्रहों के 'डॉकिंग' परीक्षण में कामयाबी की उम्मीद कर रहा है। इसके साथ ही, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा

के साथ तालमेल में सबसे महंगे पृथ्वी अवलोकन अंतरिक्ष यान को प्रक्षेपित करने को लेकर भी देश आशान्वित है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) का पहला उपग्रह डॉकिंग प्रयोग (स्पेडैक्स) सात जनवरी को होने वाला है, जिससे भारत के इस जटिल तकनीक में महारत हासिल करने वाले चुनिंदा देशों के समूह में शामिल होने की संभावना है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने यहां संवाददाताओं को बताया, "यह पहला मिशन छोटे उपग्रहों वाला है। हम इसे भारी उपग्रहों के साथ आगे बढ़ाएंगे और यह डॉकिंग (उपग्रहों के जुड़ने की) प्रौद्योगिकी हमें भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और उसके बाद के मिशन की स्थापना में मदद करेगी।" सिंह ने कहा, "इसरो का स्पैडेक्स मिशन अंतरिक्ष अन्वेषण में एक नए युग की शुरुआत है, जो भारत की तकनीकी क्षमता और महत्वाकांक्षा को दर्शाता है। 'डॉकिंग' क्षमता भविष्य के मिशनों को अंतरिक्ष में पेलोड के स्थानांतरण के माध्यम से अकल्पनीय परिणाम प्राप्त करने में सक्षम बनाएगी, जो एक तरह का चमत्कार होगा और विकसित भारत का प्रमाण होगा।" उन्होंने कहा कि नए साल में इसरो मार्च तक नासा–इसरो सिंथेटिक अपर्चर रडार (निसार) उपग्रह प्रक्षेपित कर सकता है, जिसे अपनी तरह का सबसे महंगा उपग्रह बताया जा रहा है। नए साल में श्रीहरिकोटा से 100वां प्रक्षेपण होगा, जब जनवरी में जीएसएलवी 'नेविगेशन विद इंडियन कांस्टेलेशन' (नाविक) सेवाओं के लिए एनवीएस–दो उपग्रह प्रक्षेपित करेगा। एचएएल–एलएंडटी उद्योग संघ द्वारा निर्मित ध्रुवीय उपग्रह प्रक्षेपण यान (पीएसएलवी) में से पहला, पहली तिमाही में उच्च थ्रस्ट इलेक्ट्रिक प्रणोदन प्रणाली को शामिल करते हुए एक प्रौद्योगिकी प्रदर्शन उपग्रह लॉन्च करेगा। जिसके बाद एक अंतरराष्ट्रीय ग्राहक के लिए एलवीएम3 का वाणिज्यिक मिशन होगा। गगनयान के पहले मानवरहित मिशन को भी नए साल की पहली तिमाही में प्रक्षेपित किए जाने की उम्मीद है। इस मिशन में व्योममित्र रोबोट को शामिल किया जाएगा। सिंह ने कहा, "हमारा मानव युक्त अंतरिक्ष उड़ान गगनयान 2025 के अंत तक या 2026 की शुरुआत में होगा।" उन्होंने कहा कि यह मिशन मानव रहित मिशन की सफलता पर निर्भर करता है। इसरो ने मार्च से पहले गगनयान मिशन के लिए 'क्रू एस्केप सिस्टम' का परीक्षण करने की भी योजना बनाई है।

वर्ष 2025 का देश ने किया भव्य स्वागत, अब मंदिरों में आशीर्वाद लेने उमड़ रही भक्तों की भीड़

नई दिल्ली(संवाद सूत्र)। वर्ष 2024 समाप्त होने के बाद भक्तों की भीड़ मंदिरों में पहुंचने लगी है। सुबह से ही मंदिरों में घंटियों की आवाज आ रही है। भक्तों की भीड़ शंख और घंटियों की आवाज के साथ मंदिरों और देश के घाटों पर आ रही है। देश की जनता बड़े उत्साह और खुशी के साथ 2025 का स्वागत कर रही है। तस्वीरों में घाटों पर लोगों को भव्य आरती में भाग लेते हुए देखा जा सकता है। कुछ विदेशी भी उत्साह से नाचते हुए देखे गए, जब पुजारी अनुष्ठान कर रहे थे और भीड़ भी उत्साह के साथ आरती में शामिल हुई। 2024 की अंतिम सरयू आरती अयोध्या में की गई। वृंदावन में, नए साल की पूर्व संध्या पर बांके बिहारी मंदिर में बड़ी संख्या में श्रद्धालु पूजा–अर्चना करने और आने वाले साल के लिए आशीर्वाद मांगने के लिए पहुंचे। धार्मिक अनुष्ठानों में भाग लेने और इस अवसर के आध्यात्मिक महत्व का जश्न मनाने से माहौल भक्तिमय हो गया। वृंदावन के प्रेम मंदिर में भी भारी भीड़ देखी गई, जहां भक्त पूजा–अर्चना करने और पवित्रता के साथ नए साल की शुरुआत करने के लिए एकत्र हुए। पुरी में, श्रद्धालु आशा और उत्साह के साथ नए साल का स्वागत करने के लिए श्री जगन्नाथ मंदिर और पुरी बीच पर उमड़ पड़े।

श्रीलाल शुक्ल स्मारक राष्ट्रीय संगोष्ठी समिति, भाग्यनगर, हैदराबाद, तेलंगाना राज्य तथा हिंदी प्रचार सभा, हैदराबाद के संयुक्त तत्वावधान में 31-12-2024 को "चुनावी लोकतंत्र और श्रीलाल शुक्ल का साहित्य" विषय पर अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी डा. सीमा मिश्रा के संयोजन में सफलतापूर्वक संपन्न

"जनता सजग, लोकतंत्र सफल"

श्रीराम तिवारी, आई.पी.एस.

आज यहाँ जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पं. श्रीराम तिवारी, आई. पी.एस. (से.नि.), आंध्र प्रदेश सरकार, ने अपने वक्तव्य में कहा कि यदि जनता सजग है तो लोकतंत्र सफल। अपने वक्तव्य को आगे बढ़ाते हुए उन्होंने कहा कि ज्ञान और मोक्ष भारत भूमि में ही मिलता है और कहीं नहीं। उन्होंने कहा श्रीलाल शुक्ल द्वारा रचित उपन्यास "उस समय के समाज का दर्पण है।" आज व्यक्ति दुखी नहीं है, वह पड़ोसी के सुख से दुखी है। उन्होंने चुनावी प्रक्रिया पर कहा कि जैसी सरकार चुनोगे तो उसके परिणाम भी आप ही भोगोगे। अपने विवेक का प्रयोग कर अच्छे लोगों को चुनें और भारत का भविष्य उज्ज्वल बनाएँ।

कार्यक्रम के अध्यक्ष, प्रो. ऋषभ देव शर्मा ने अपने वक्तव्य में कहा कि भारत को लोकतंत्र की जननी कहा जाता है। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में सुधार तभी होगा जब जनता जागरूक होगी और जनता तभी जागरूक होगी जब सत्य को जानेगी। आपने आगे कहा कि समाज और लोकतंत्र में सुधार करना साहित्यकारों का काम है और हमने यह काम नेताओं के हाथ में दे दिया। परिणाम स्वरूप जो विसंगतियाँ श्रीलाल शुक्ल के समय थीं, वही विसंगतियाँ आज भी अंगद की तरह पैर धँसाए बैठी हैं ।

कार्यक्रम के मुख्य वक्ता प्रो. गोपाल शर्मा, प्रो. एवं अध्यक्ष (पूर्व), अंग्रेज़ी विभाग, अरबा मींच विश्वविद्यालय, इथियोपिया (अफ्रीका) ने अपने बीज भाषण में अपने आज तक का अनुभव और श्रीलाल शुक्ल से हुई एक भेंटवार्ता के दौरान हुए कई खट्टे–मीठे अनुभव साझा किए। उन्होंने व्यंग्य की चर्चा करते हुए कहा कि लेक्चर का मजा तो तब है, जब सामने वाला समझ जाए कि ये बकवास कर रहा है।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि प्रो. गंगाधर वानोडे, क्षेत्रीय निदेशक, केंद्रीय हिंदी संस्थान, हैदराबाद केंद्र ने 'राग दरबारी' एवं अन्य पुस्तकों पर चर्चा कर अपने विचार साझा किए।

अफगानिस्तान से पधारे मो. फहीम जलांद ने अपने वक्तव्य में श्रीलाल शुक्ल के व्यक्तित्व एवं कृतित्व की चर्चा करते हुए उनकी रचनाओं पर विस्तार से प्रकाश डाला।

इसी शृंखला में अर्मीनिया से सुश्री. अलीना ने अपने ऑनलाइन संदेश में संगोष्ठी के विषय पर चर्चा करते हुए संयोजिका डॉ. सीमा मिश्रा को बधाई दी।

कार्यक्रम की वक्ता डॉ. आशा मिश्रा, संपादक–पुष्पक साहित्यिकी त्रैमासिक पत्रिका, लेखिका एवं कवयित्री ने अपने वक्तव्य में कहा कि श्रीलाल शुक्ल ने प्रजातंत्र की पीड़ा को भोगा है। उन्होंने आगे कहा कि राजनीति को समझने के लिए 'राग दरबारी' से बेहतर पुस्तक नहीं। उन्होंने श्रीलाल शुक्ल के कई उपन्यासों की चर्चा करते हुए कहा कि भारत भले ही इंडिया बन जाए पर रहेगा गाँव का ही देश।

साहित्य गरिमा पुरस्कार समिति, हैदराबाद की संस्थापक अध्यक्ष डॉ. अहिल्या मिश्रा ने ऑनलाइन के माध्यम से संयोजिका डॉ. सीमा मिश्रा, अधिवक्ता पं. अशोक तिवारी एवं उनके सुपुत्र अभियंता चि. आकाश तिवारी को अपना आशीर्वाद दिया। पिता तुल्य/ ससुर एवं उत्तर भारतीय संघ के संस्थापक सदस्य एवं प्रथम महामंत्री स्व. पं. बाला प्रसाद तिवारी जी को स्मरण / नमन किया एवं उनके द्वारा किए गए कार्यों की भूरि–भूरि प्रशंसा की।

इसी शृंखला में सम्माननीय अतिथि, श्री अनिल कुमार वाजपेई, पुलिस अधीक्षक (से. नि.), गुप्तचर विभाग, तेलंगाना ने विगत 17 वर्षों से होती आ रही संगोष्ठियों एवं इस बार अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विश्व के गणमान्य अतिथियों को एक मंच पर एकत्रित करने का साहसपूर्ण कार्य करने के लिए अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा की विदुषी राष्ट्रीय अध्यक्षा (महिला प्रकोष्ठ) डॉ. सीमा मिश्रा को विशेष बधाई दी ।

आत्मीय अतिथिरूसर्वोच्च न्यायालय, नई दिल्ली के संविधान विशेषज्ञ युवा अधिवक्ता श्री नौमीन् सूरपराज कर्लापालेम्, ने अपने वक्तव्य में आज की नई पीढ़ी पर व्यंग्य करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी पढाई पर कम और फ़ोन पर ज़्यादा ध्यान देती है। चुनावी लोक तंत्र एवं रागदरबारी पर प्रकाश डाला।

इसी शृंखला में आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश जस्टिस श्री वामन राव ने अपने वक्तव्य में कहा कि चुनाव तंत्र भावनाओं से खेलना/भावनाओं का दुरुपयोग करना है। अपने सुझाव देते हुए कहा कि गलत के ख़िलाफ़ आवाज़ उठानी चाहिए लेकिन कोई आवाज़ उठाता नहीं है। साथ ही उन्होंने इस अभूतपूर्व कार्य की सराहना करते हुए उन्हें अखिल भारतीय कान्याकुब्ज ब्राह्मण महासभा की विदुशी महिला राष्ट्रीय अध्यक्षा डां. सीमा मिश्रा के इस निरंतर कि जाने वाली संगोष्ठी श्रंखला के लिया साधुवाद एवं बधाई दी।

मौलाना आज़ाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय के डॉ. इर्शाद अहमद ने अपने वक्तव्य में चुनावी लोकतंत्र एवं श्रीलाल शुक्ल के साहित्य पर प्रकाश डाला।

कार्यक्रम का शुभारंभ शंखनाद एवं सरस्वती वंदना से हुआ जिसे अभियंता चि. आकाश तिवारी, सॉफ्टवेयर इंजीनियर के सहयोग से पूर्ण किया गया।

श्री रवि वैद, कवि एवं उपन्यासकार, हैदराबाद, ने अपने संचालन के माध्यम से मंच व सभागार को बांधे रखा /मंत्रमुग्ध कर दिया एवं संचालन के दौरान श्रीलाल शुक्ल की रचनाओं के फुटनोट के माध्यम से सभी का ज्ञानवर्धन भी किया

कार्यक्रम की संयोजिका, डॉ. सीमा मिश्रा ने "चुनावी लोकतंत्र और श्रीलाल शुक्ल का साहित्य" विषय पर साहित्यिक परिचर्चा को आगे बढ़ाते हुए कार्यक्रम की शुरूआत की ।

अंत में उन्होंने संगोष्ठी में उपस्थित सभी शोधार्थियों, अध्यापकों एवं देश के सभी गणमान्य साहित्यकारों एवं पत्रकारों का अपने हृदय की गहराइयों से आभार प्रकट किया।

दक्षिण भारत कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा, कान्यकुब्ज ब्राह्मण समिति, हैदराबाद एवं अखिल भारतीय कान्यकुब्ज ब्राह्मण महासभा के सदस्यगण एवं कहानीवाला ग्रुप के संस्थापक, सुहास भटनागर, सिलीगुड़ी, पश्चिम बंगाल से पधारे मिश्रा दंपति, पं. राजेंद्र जोशी, ज्योतिर्विद, श्री नदीम हसन, श्री राजशेखर रेड्डी, श्रीमती संगीता अमरेन्द्र पाण्डे, श्री गिरजा शंकर पाण्डे, श्री शफीक, शिल्की मुनमुन शर्मा, अनीता महेश टाठी आदि ने उपस्थिति दर्ज कराई। इस भव्य आयोजन में देश के अनेक साहित्यकारों, विद्वानों, कलाकारों और पत्रकारों ने सक्रिय सहभागिता की। अंत में राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

संगोष्ठी संयोजक
डा. सीमा मिश्रा,
एम.ए. ख्समाज शास्त्र ,,
एम.ए. हिन्दी,, बी.एड.,
साहित्यरत्न,
स्नातकोत्तर डिप्लोमा
अनुवाद (हिन्दी), (स्नातकोत्तर
डिप्लोमा स्त्री–सशक्तिकरण),
एम.फिल., पीएच.डी. एम.ए.
शिक्षा शास्त्र,.
राष्ट्रीय अध्यक्ष, (महिला
प्रकोष्ठ),
अखिल भारतीय कान्यकुब्ज
ब्राह्मण महासभा, (रजि.),
कानपुर.
48, "तिवारी सदन ", संपूर्ण
प्रथम एवं द्वितीय तल, महात्मा
गांधी रोड,
रामगोपालपेठ,
सिकंदराबाद–500 003,
तेलंगाना राज्य, (भारत)

श्री गौरीशंकर ग्राम सेवा मंडल मुंबई का 111वां स्थापना दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया

मुंबइ। श्री गौरीशंकर ग्राम सेवा मंडल मुंबई का १११वां स्थापना दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया। यह बोहनी दिवस है। डाक्टर शारदा प्रसाद शर्मा,प्रो, बिहारी लाल शर्मा, कृपा शंकर सिंह, मंडल के अध्यक्ष रामसेवक पाण्डेय, प्रबंध ट्रस्टी सुभाषचन्द्र उपाध्याय, अन्य उपस्थित गणमान्यवरो द्वारा दीप प्रज्ज्वलित करके मां सरस्वती वंदना। विगत वर्ष की बोहनी कर्त्री मिथिलेश कुमारी दिनेश चन्द्र उपाध्याय पूजन कर इस वर्ष के बोहनी कर्ता डाक्टर ओम् प्रकाश दुबे को अपना दायित्व सौंपा। दूबे जी बोहनी सवा लाख रुपए का चेक अध्यक्ष रामसेवक पाण्डेय एवं डाक्टर शारदा प्रसाद शर्मा जी को देकर बोहनी पर्व की शुरुवात कर। सभी लोगों ने कर तल ध्वनि से स्वागत किया। डाक्टर राधेश्याम तिवारी जी, सुधाकर उपाध्याय जी, प्रो बिहारी लाल शर्मा जी, ओमप्रकाश दूबे जी सभी वक्ताओं ने बहुत ही सार गर्भित शब्दों में भावपूर्ण अभिव्यक्ति की। राम सेवक पाण्डेय जी ने एक–सौ ग्यारह वर्षों के मंडल के संस्थापक पंडित शिव मूर्ति उपाध्याय पंडित लापता प्रसाद उपाध्याय जी शर्मा जी उनके परिवार, और मंडल को १११ वर्षो तक सफलता पूर्वक पहुंचाने वाले पुरोधाओं में स्वर्गीय ओंकार नाथ दूबे, सभाजीत पाण्डेय, लक्ष्मी नारायण पाण्डेय, जगदीश प्रसाद मिश्र। हरिप्रसाद सिंह, गांव के प्रबंधक बाबू हरि हर सिंह, स्वर्गीय राम प्रमोद पाण्डेय, श्याम बिहारी मिश्र जी आदि लोगों के योगदान को स्मरण कराया। लोगों में मंडल के प्रति आस्था को प्रगाढ़ करते हुए अपने संकल्प को पूरा पुनः प्रस्तुत किया। प्रबंध ट्रस्टी सुभाषचन्द्र उपाध्याय का संपूर्ण मंडल ट्रस्ट बोर्ड सभागृह में उपस्थित सभी सदस्यों ने उनका स्वागत सम्मान किया। उनके अथक प्रयास की प्रशंसा करते हुए दीर्घायु की कामना की। आनंद सिंह जी मंच संचालन करते समय सभागृह को खुशनुमा बनाये रहे। समय–समय पर उनकी मधुर वाणी में समय कब चलता चला गया। उनका सम्मान कुलपति बिहारी लाल शर्मा के हाथों से किया गया वे भी बहुत अभिभूत हुए। कार्यक्रम के संचालन में सुनील पाण्डेय, राकेश उपाध्याय त्रिपाठी, दो युवाओं का सराहनीय सहयोग रहा।अंत में हृदय विशेषज्ञ डाक्टर आर, आर उपाध्याय कल्याण द्वारा आशीर्वाद प्रदान करते हुए मंडल की तरफ से आभार व्यक्त किये।।

रामानंद सागर के जन्मदिन पर विशेष....

रामानंद सागर (29 दिसंबर 1917–12 दिसंबर 2005) का असली नाम चंद्रमौली चोपड़ा था। मां के निधन के बाद चंद्रमौली को उनके मामा ने गौद ले लिया था जहां उनका नाम रामानंद सागर पड़ गया। मामा ने गौद तो ले लिया था लेकि इसके बावजूद उनका जीवन काफी संघर्ष से भरा रहा। रामानंद सागर को पढ़ने लिखने का काफी शौख था। वह बहुत अच्छा लिखते थे। उन्होंने अपनी पढ़ाई को जारी रखने के लिए चपरासी से लेकर साबुन बेचने तक का काम किया। इन छोटे–मोटे कामों से वह जो कमाने उससे अपनी पढ़ाई करते थे। अपनी पढ़ाई पूरा करने के बाद वह एक भारतीय फिल्म निर्देशक बने। वह रामायण टेलीविजन श्रृंखला बनाने के लिए सबसे प्रसिद्ध हैं, जो इसी नाम के प्राचीन भारतीय महाकाव्य का 78–भाग का टीवी रूपांतरण है, जिसमें अरुण गोविल ने भगवान राम और दीपिका चिखलिया ने सीता के रूप में अभिनय किया था।

इस टीवी धारावाहिक को तब पूरे देश में व्यापक रूप से देखा और पसंद किया गया था। भारत सरकार ने उन्हें 2000 में पद्म श्री के नागरिक सम्मान से सम्मानित किया। फिल्मों में उनकी शुरुआत 1936 में क्लैपर बाय के रूप में हुई बाद में पृथ्वी थिएटर से जुड़ गए 1950 में प्रोडक्शन कंपनी सागर फिल्म्स की स्थापना की आंखें पैगाम और गीत जैसी फिल्मों के करने के बाद 1985 में छोटे पर्दे की ओर रुख किया और ष्रामायणष् एवं ष्श्री कृष्णाष् बनाया. इसकी अपार सफलता ने उन्हें अमर बना दिया. नमन.

– संजय वर्मा,
स्वतंत्र पत्रकार– सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं खेलकूद (गोरखपुर)

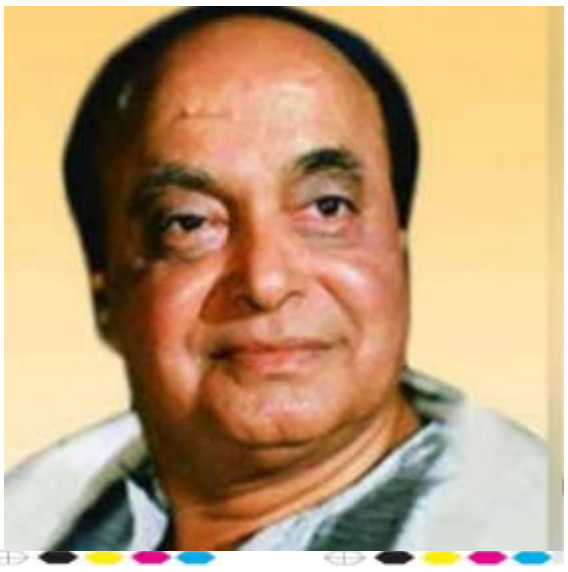

सम्पादकीय...

बेहतर कल की आस, उम्मीद जगाता नव वर्ष का आगमन

समय के साथ बहुत कुछ नया और बेहतर होता है, लेकिन नव वर्ष का आगमन यह कहीं अधिक उम्मीद जगाता है कि आने वाला समय शुभ हो। हम भारतीय सभी के शुभ की कामना करते हैं, क्योंकि भारतीय संस्कृति यही कहती है। यही कामना इस वर्ष भी की जानी चाहिए। इसके साथ ही यह आशा भी की जानी चाहिए कि देश ने अपने लिए जो लक्ष्य निर्धारित किए हुए हैं, वे समय पर सही तरह से पूरे हों, ताकि विकसित भारत की दिशा में कदम बढ़ा रहे देश के समक्ष कोई अवरोध उत्पन्न न हों और यदि वे उत्पन्न हों भी तो उन्हें सफलतापूर्वक दूर किया जा सके। अवरोधों को हटाने अर्थात समस्याओं का निराकरण करने की सबसे अधिक जिम्मेदारी शासन– प्रशासन की होती है और शासन–प्रशासन की सामर्थ्य बहुत कुछ देश की राजनीति के रुख–रवैये से तय होती है। इसीलिए यह कहा जाता है कि राजनीति का काम है लोगों को दिशा दिखाना। हमारी राजनीति यह काम वास्तव में कर सके, इसके लिए इस नए वर्ष में राजनीतिक दलों को अपने रवैये में बदलाव लाने के लिए विशेष प्रयत्न करने होंगे। इसलिए और भी, क्योंकि बीते वर्ष टकराव और कलह की जो राजनीति देखने को मिली और इसके चलते देश की जनता का ध्यान वास्तविक मुद्दों से भटकाने की जैसी कोशिश की गई, वह बहुत ही निराशाजनक है। बीते कुछ समय से राजनीति के स्तर पर यह जो प्रतीति कराने की कोशिश की जा रही है कि स्वतंत्रता के इतने वर्षों बाद हमारा संविधान खतरे में है, वह व्यर्थ का विचार है। इसी तरह यह प्रचारित करना भी सस्ती राजनीति का ही परिचायक है कि गांधी अथवा आंबेडकर की विरासत खतरे में पड़ गई है। ऐसे विचार भारत की राजनीतिक अपरिपक्वता और साथ ही छिछले सार्वजनिक विमर्श का परिचायक हैं। अच्छा हो कि नए वर्ष में सचमुच नई तरह की राजनीति की जाए और उन मुद्दों पर ध्यान केंद्रित किया जाए, जो जनहित से जुड़े हैं और जिनका समाधान कर देश को आगे ले जाया जा सकता है। जब राजनीति अपने पथ और दायित्वों से भटके, तब समाज को अपनी सहमतियों और असहमतियों से राजनीतिक वर्ग पर ऐसा दबाव बनाना होता है कि वह जो अभीष्ट है, उसकी पूर्ति करे। जब इस पर देश और दुनिया एकमत है कि आने वाला कल भारत का है, तब उन संभावनाओं को भुनाने की हर संभव कोशिश होनी चाहिए, जो सामने दिख रही हैं। चूंकि संभावनाएं अपने साथ चुनौतियां लेकर भी आती हैं, इसलिए उनका सामना हमें पहले से अधिक दृढ़ता और मिलकर करना होगा। ऐसा किया जाना तब कहीं अधिक आसान होगा, जब नए विचार और नई कार्य संस्कृति को अपनाया जाएगा। इस संदर्भ में जितना सजग सरकारी तंत्र को रहना होगा, उतना ही समाज को भी।

कीर्तिमानों के शहर इंदौर में बना 129 घण्टे अनवरत गायन का विश्व कीर्तिमान

इंदौर। नए वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए केकेसी क्लब एवं संगीत सेवा सहारा के संयुक्त तत्वावधान मे इंदौर के अभिनव कला समाज सभागार मे 124 घण्टे सतत गायन के कार्यक्रम का शुभारम्भ म.प्र. के नगरीय विकास मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने 24 दिसंबर को किया और समापन 29 दिसंबर को विश्व प्रसिद्ध प्ले बेक गायक मोहम्मद रफी के सुपुत्र शाहिद रफी ने किया. इस आयोजन मे इंदौर सहित अन्य प्रदेशों से भी गायक कलाकार इंदौर आए एवं कुछ अपने घर बैठे ऑनलाइन के माध्यम से भी शामिल हुए. इस दौरान अतिथियों ने कहा कि इंदौर महान गायकों की जन्म और कर्म स्थली रहा है। 129 घण्टे मे कुल 530 कलाकार शामिल हुए और लगभग 2000 गीत कराओके ट्रैक पर सुनाए गए, प्रसन्नता की बात है की इंदौर ने 129 घण्टे का विश्व कीर्तिमान बनाया.

संस्थान के अध्यक्ष दीपक पाठक एवं संरक्षक रेखा रावल ने बताया कि समारोह में 4 वर्ष की उम्र से लेकर 84 वर्ष की उम्र के 530 नए एवं स्थापित गायक कलाकारों ने अपनी पसंद के गीत कराओके ट्रैक पर गाए। गायन के क्षेत्र मे नए–नए कलाकारों को मंच उपलब्ध करवाने हेतु केकेसी क्लब एवं संगीत सेवा सहारा हमेशा प्रयासरत रहता है। इस आयोजन को संगीत सेवा सहारा और केकेसी क्लब के फेसबुक से ऑनलाईन प्रसारित किया गया। दुनियाभर से आनलाईन लिंक के माध्यम से इस आयोजन मे गायक एवं दर्शक जुड़ते गए और लाखों लोगों ने आयोजन को देखा और सराहा, आयोजन के दौरान आने वाले अतिथियों का स्वागत विनय जैन, मनीष पगारे, अजय डाबी, दीपक शर्मा, लक्ष्मी शर्मा एवं ओमप्रकाश भारती, राधाकिशन कदम ने किया। आयोजन मे मां सरस्वती को प्रसन्न करने के लिए पूरे समय तक अखंड ज्योत भी जलाई गई थी. अंत मे आभार कार्यकारी अध्यक्ष मनीष जी पगारे ने माना।

संसार मे जन्म लिया है तो भोग तो भोगने ही होंगे

फिर सुख दुख से चिंतित क्यों होना है।
किसी ने क्या खूब कहा है कि हवा भी बेकसूर और दीया भी बेकसूर है ,
एक को चलना है जरूर और दुसरे को जलना है जरूर !!
यही सृष्टि का नियम है।

दुसरो की कमियों पर ध्यान देने से बेहतर है, प्रातरू उठकर उस परमात्मा का ध्यान करते हुए उनका धन्यवाद करें जो सही सला मत नींद से उठाये है।

अच्छे जरूर बनें लेकिन साबित करने की कोशिश ना करें, जो व्यक्ति सही होता है वो सफाई देने में अपना समय खराब नहीं करता।

जिन्हे ज्ञान है उन्हे घमंड कैसा जिन्हे घमंड है उन्हे ज्ञान कैसा ? बड़े बोल असत्य को सत्य नहीं बना सकते, परंतु मीठे बोल असत्य की कड़वाहट को भी कम कर देते हैं।

सुप्रभात जय श्री राम

उम्र की डोर से फिर
एक मोती झड़ रहा है....

तारीख़ों के जीने से
दिसम्बर फिर उतर रहा है..

कुछ चेहरे घटे, चंद यादें
जुड़ी गए वक़्त में....

उम्र का पंछी नित दूर,
और दूर निकल रहा है..

गुनगुनी धूप और ठिठुरी
रातें जाड़ों की...
गुज़रे लम्हों पर झीना-झीना
सा इक पर्दा गिर रहा है..
ज़ायका लिया नहीं और
फिसल गई ज़िन्दगी...

वक़्त है कि सब कुछ समेटे
बादल बन उड़ रहा है..
फिर एक दिसम्बर गुज़र रहा है..

बूढ़ा दिसम्बर, जवां जनवरी के कदमों मे
बिछ रहा है...
लो अब इस सदी को पच्चीसवॉ साल लग
रहा है....
साल का अंतिम माह दिसंबर है जी
दि-- दिलों का
सं-- संबध
ब-- बरकरार
र-- रहे....
यही ईश्वर से और आपसे विनती है।
-राधे राधे

।। संतुष्टि।।

संतुष्टि दो प्रकार की होती है एक मन की संतुष्टि दूसरी आत्मा की। किंतु दोनों में अंतर है। जहां संशयात्मक वृत्ति होने से मन का चिंतन स्वार्थपरक होता है। वहीं निर्विकार और तटस्थ भाव का अधिष्ठाता होने से आत्मा का चिंतन सदा परार्थ के लिए होता है। अतरू स्वार्थपूर्ण चिंतन होने से मन की संतुष्टि कभी वास्तविक सुख प्रदान नहीं करती, जबकि परार्थमय चिंतन होने से आत्मसंतुष्टि सदैव वास्तविक सुख शांति प्रदान करती है। इसलिए मन की संतुष्टि कभी आत्मसंतुष्टि नहीं हो सकती।

आज का दिन शुभ मंगलमय हो।

डमरू छंद' आपकी अदालत में

वन में सीता माता को खोजते राम और लक्ष्मण। सीता के आभूषण देखकर राम की आंखें भर आईं तो लक्ष्मण को क्रोध आ गया। उन्होंने तरकश से बाण निकालकर सीता का अपहरण करने वाले पर संधान करना चाहा तोसुर,नर,मुनि, गंधर्व और वन के प्राणियों में हाहाकार मच गया।

नयनन जल भर कहत जगत वर,
लख–लख लखन गहन यह नथ,तर।

तरकश धरत पटककर पग थल,
हम कब समझत लटकन,खन,कर।

कर न लखत हम पग रज परखत,
बरज न मम अब चल तरकश शर।

शर लख लखन गगन चमकत घन,
थर–थर अमर डरत सब वन नर।

–सुरेश मिश्र

काशी में करोड़पति साहित्यकार का निधन

बेटे–बेटी ने निकाला तो वृद्धाश्रम में रहने लगे; अंतिम संस्कार में भी नहीं आया परिवार

वाराणसी के साहित्यकार श्रीनाथ खंडेलवाल का शनिवार

सुबह निधन हो गया। खंडेलवाल 80 करोड़ की प्रॉपर्टी मालिक थे। उन्होंने 400 किताबें लिखीं थीं। आखिरी बाद उन्होंने दैनिक भास्कर को इंटरव्यू दिया था, जिसमें कहा था– पुराना कुछ नहीं पूछिएगा। वो सब अतीत था, जिसे मैंने खत्म कर दिया। अब नया खंडेलवाल है, जो सिर्फ किताबें लिख रहा है। जब तक सांस है, कलम चलती रहेगी।

खंडेलवाल काशी कुष्ठ सेवा संघ वृद्धाश्रम में 17 मार्च, 2024 से रह रहे थे। श्रीनाथ खंडेलवाल ने शनिवार सुबह 8 बजे वाराणसी के श्दीर्घायु अस्पतालश में अंतिम सांस ली। इसके बाद भी उनके घर से कोई नहीं आया।

सूचना मिलते ही कबीर अमन दोस्तों के साथ अस्पताल पहुंचे। साहित्यकार को मुखग्नि दी और पिंडदान किया।

अंतिम संस्कार में भी नहीं आया परिवार

अमन करीब ने ही हीरामनपुर के काशी कुष्ठ सेवा संघ वृद्धाश्रम में खंडेलवाल को रखवाया था। खंडेलवाल मार्च 2024 से यहां रहे रहे थे। वृद्धाश्रम के केयर टेकर रमेशचंद्र श्रीवास्तव ने बताया, उन्हें 25 दिसंबर को सीने में जकड़न, सांस लेने में दिक्कत और किडनी की समस्या के कारण अस्पताल में एडमिट कराया गया। यहां इलाज के दौरान उनका शनिवार सुबह 9 बजे देहांत हो गया।

रमेशचंद्र श्रीवास्तव ने तुरंत इसकी सूचना अमन कबीर को दी। अमन कबीर ने बताया– यहां आने के बाद सबसे पहले कमिश्नर कौशल राजा शर्मा को घटना की जानकारी दी गई। जिस पर उन्होंने परिजनों को सूचना देने को कहा।

श्रीनाथ खंडेलवाल जी के बेटे को फोन किया गया तो उसने आने में असमर्थता जताई। कहा वह बाहर है नहीं आ सकता है। इसके बाद उसकी बेटी को फोन किया गया, लेकिन उसने फोन नहीं उठाया। न ही मैसेज का कोई जवाब दिया।

अमन करीब ने बताया, इसके बाद हम लोग शव लेकर सराय मोहना घाट पहुंचे और उनका अंतिम संस्कार किया। मैंने पिडंदान के ही साथ उन्हें अजय कुमार के साथ मिलकर मुखाग्नि दी। श्रीनाथ खंडेलवाल ने भास्कर इंटरव्यू में बताया था कि उनका बेटा बड़ा बिजनेसमैन और बेटी सुप्रीम कोर्ट में वकील है। दामाद भी वकील है। उनके पास करीब 80 करोड़ की प्रॉपर्टी है। जिसे हड़प कर बेटे–बेटी ने उन्हें घर से निकाल दिया।

इस साल बुमराह ने डाले सबसे ज्यादा ओवर....

अब वर्कलोड बना भारतीय मैनेजमेंट के लिए मुसीबत.. इस साल टेस्ट फॉर्मेट में जसप्रीत बुमराह ने 2138 गेंदें डाली हैं. जिसमें इस तेज गेंदबाज ने 70 विकेट लिए हैं. वहीं, बेस्ट बॉलिंग फिगर 45 रन देकर 6 विकेट रहा है. श्जसप्रीत बुमराहश जैसे घातक और खतरनाक बॉलर पूरे विश्व में शायद अभी कोई दूसरा नहीं है, जो मैच का पूरा नक्शा अपने खतरनाक गेंदबाजी से कभी भी बदल दे (जैसा कि वह कई बार कर चुके हैं), मगर यह भी सच्चाई है कि भारतीय टीम के तरफ से सबसे ज्यादा गेंद फेंकने का 1 साल का रिकॉर्ड कई मामले में बहुत अच्छा है तो कई मामले में खतरनाक क्योंकि इस तरह का प्रेशर सबसे पहले फिटनेस पर (विशेषकर तेज गेंदबाजी) पड़ता है. टीम मैनेजमेंट को इसका बहुत ध्यान देना चाहिए...

संजय वर्मा, स्वतंत्र पत्रकार
खेलकूद एवं विज्ञान, (गोरखपुर)

सवाल

हमने तुमको दिल्ली दे दी,दे दी मुंबइ–काशी
फड़नवीस अब तो दिलवाओ, रेपिस्टों को फांसी।

म्लेच्छों का जो साथ दिए हम उनको किए किनारे
लोकसभा की ग़लती को भी हम इस बार सुधारे
बाबर के वंशज के साथी,नाक रगड़कर हारे
झोली भर दी हमने तेरी,अब तो मत मिंमिया रे

सिसक रहा कल्याण समूचा, तुम ले रहे उबासी
फड़नवीस अब तो दिलवाओ,रेपिस्टों को फांसी ।

वीर शिवाजी,संभाजी की कसम तुम्हारे है प्यारे,
न्याय वही हैदराबाद वाला जल्दी दिलवा रे
उत्तर भारत वालों को हल्के में मत लेना रे
जो मीठे थे अब तक भाऊ,बन जाएंगे खारे

इससे पहले पब्लिक खुद ही बने खून की प्यासी
फड़नवीस अब तो दिलवाओ, रेपिस्टों को फांसी।

दिल्ली,कर्नाटक तुम भूले,राजस्थान भुलाए
छत्तिस टुकड़े किए सुता के,ये जिहाद के जाए
संभाजी को भूल गए क्या,कतर–कतर मरवाए
वीर शिवा–राणा के वंशज फिर भी शरम न आए

हाय लगी विप्रों की,हो जाएगी सत्यानाशी
फड़नवीस अब तो दिलवाओ, रेपिस्टों को फांसी।

-सुरेश मिश्र

नववर्ष

न ऋतु बदली,न मन बदला,
फसल बदली न वन बदला,
वही सूरज, वही चंदा,
नहीं धरती का कण बदला।

नया तो कुछ नहीं दिखता,
न इस्तकबाल बदला है।
सनातन मानने वालों
फिर कैसे साल बदला है?

न मौसम की फिजा बदली,
न दिनकर की दिशा बदली,
दिसंबर –जनवरी के बीच,
में किसकी दशा बदली?

युधिष्ठिर भी नहीं बदले,
न नटवरलाल बदला है,
सनातन मानने वालों,
फिर कैसे साल बदला है?

न आया कार्तिक अब तक,
न अब तक चौत्र आया है,
नज़ारे भी नहीं बदले,
गुड़ी पड़वा न भाया है।

इशारों ही इशारों में,
बस इस्तकबाल बदला है,
सनातन मानने वालों,
फिर कैसे साल बदला है?

दिशाएं भानु जब बदलें,
तो समझो साल नव आया,
फसल तैयार हो लहरें,
तो समझो साल नव आया,

टिकोरे आम के फिसलें,
तो समझो साल नव आया,
बुढ़ापे में भी दिल मचले,
तो समझो साल नव आया।

नहीं होली, नहीं खिचड़ी,
खाली भौकाल बदला है ,
सनातन मानने वालों,
फिर कैसे साल बदला है?

सुरेश मिश्र

नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कालेज चा वार्षिकोत्सव नक्षत्र 2023 -24 संपन्न

श्री नरसिंह के दुबे चॅरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज आणि रुग्णालयाच्या विद्यार्थी परिषदेने 28 डिसेंबर 2024 रोजी महाविद्यालयाचा वार्षिकोत्सव नक्षत्र 2023–24 मोठ्या थाटामाटात साजरा केला.

या कार्यक्रमात प्रमुख पाहुणे म्हणून डीआयजी डॉ शैलेंद्र मिश्रा तर विशेष अतिथी म्हणून सिने कलाकार अनुप उपाध्याय उपस्थित होते.

कार्यक्रमाचे प्रमुख पाहुणे डॉ. शैलेंद्र मिश्रा, **IPS, DIG NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, MUMBAI** यांनी विद्यार्थ्यांना संबोधित करताना सांगितले की, फक्त डॉक्टर बनण्यावर थांबू नका, चांगले डॉक्टर बना, फक्त चांगले डॉक्टर बनण्यावर थांबू नका, एक उत्तम नागरिक बना. त्यांनी श्रोत्यांना आत्मविश्वास, आत्मसन्मान आणि उद्देशाच्या भावना विकसित करण्याच्या दृष्टीने सकारात्मक बदल घडवून आणण्यासाठी प्रेरणा दिली.

वसईच्या आमदार डा होकेट स्नेहा दुबे पंडित चे वडील विवेक पंडित ह्यांना आलेल्या स्ट्रोकमुळे त्या कार्यक्रमाला खुप उशिरा पोहोचल्या ज्याबद्दल त्यांनी उपस्थितांसमोर दिलगीरी व्यक्त केली. वसई विधानसभा निवडणुकीत विजयी झाल्याबद्दल महाविद्यालयातर्फे त्यांचा सत्कार करण्यात आला.

या कार्यक्रमात नृत्य, नाटक, फॅशन शो अशा विविध कार्यक्रमांचे आयोजन करण्यात आले होते, विद्यार्थ्यांनी आपल्या असामान्य कलागुणांचे प्रदर्शन करून उपस्थितांना मंत्रमुग्ध केले. महाविद्यालयामध्ये दरवर्षी दिला जाणारा "स्टुडन्ट ऑफ द इयर" हा सर्वोच्च पुरस्कार 2018 आणि 2019 बॅचमध्ये क्रमशरू विनायक मोरे आणि अनुराग द्विवेदी यांना देण्यात आला. तसेच, या वर्षीचा ष्राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कारष स्वयंसेवक सर्वेश गायकवाड यांना प्रदान करण्यात आला, महाविद्यालयाची वैशिष्ट्य आणि आठवणी जपून ठेवणारी स्मरणिका कृती **– The world of NAMC 2023-24"** प्रकाशित करण्यात आली.

संस्थेचे कोषाध्यक्ष श्री. श्यामसुंदर दुबे, अध्यक्ष श्री. जयप्रकाश दुबे, संचालक डॉ. ओमप्रकाश दुबे, संस्थेच्या विश्वस्त प्रोफेसर डॉक्टर ऋजुता दुबे, प्राचार्या प्रोफेसर डॉक्टर हेमलता शेंडे, सर्व शिक्षक, शिक्षकेतर कर्मचारी, माजी विद्यार्थी, विद्यार्थी व पालक उपस्थित होते. कार्यक्रमाचे सूत्रसंचालन डॉ.स्वाती भिंगारे यांनी केले तर आभार जनरल सेक्रेटरी आकाश कदम यांनी मानले. त्यानंतर स्वादिष्ट भोजनाने कार्यक्रमाची सांगता झाली.

प्रेषकः
प्रो.डॉ. हेमलता शेंडे
प्राचार्या एवं अध्यक्ष, विद्यार्थी परिषद
नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज

नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कालेज का वार्षिकोत्सव नक्षत्र 2023 -24 सम्पन्न

श्री नरसिंह के दुबे चॅरिटेबल ट्रस्ट द्वारा संचालित नालासोपारा आयुर्वेद मेडिकल कॉलेज एवं रुग्णालय के विद्यार्थी परिषद द्वारा महाविद्यालय का वार्षिकोत्सव नक्षत्र 2023 –24 दिनांक 28 दिसंबर 2024 को धूमधाम से मनाया गया। इस कार्यक्रम मे डीआयजी डॉ. शैलेंद्र मिश्रा मुख्य अतिथी एवं सिने कलाकार अनुप उपाध्याय विशिष्ट अतिथी के रूप मे उपस्थित थे। कार्यक्रम के मुख्य अतिथी डॉक्टर शैलेंद्र मिश्रा , **IPS, DIG NATIONAL INVESTIGATION AGENCY, MUMBAI** इन्होने विद्यार्थीयों को संबोधित करते हुए कहा की केवल डॉक्टर बनकर मत रुको,अच्छे डॉक्टर बनो,एवं अच्छे डॉक्टर बनकर भी मत रुको अपितु एक महान नागरिक भी बनोस उन्होने श्रोताओ के आत्मविश्वास, आत्मसन्मान और उद्देश्यपूर्तता की भावनाओ को बढाते हुए सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रेरित किया।

वसई के आमदार डा. स्नेहा दुबे पंडित इनके पिताजी विवेक पंडित को स्ट्रोक आने की वजह से वो कार्यक्रम में काफी देर से पहूची जिसके लिए उन्होंने खेद प्रकट कीया स वसई विधानसभा के चुनाव में हासिल जीत के लिये महाविद्यालय की तरफ से उनको सम्मानित किया गया।

इस समारोह मे नृत्य,नाट्य, फॅशन शो जैसे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया स इसमे छात्रों ने अपनी असाधारण प्रतिभा का प्रदर्शन किया और दर्शकों को मंत्रमुग्ध कीया. शैक्षणिक, क्रीडा एवं अन्य सह पाठ्यक्रम गतिविधियो में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों को सन्मानित कर पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र प्रदान किये गये स इसमे हर वर्ष दिया जाने वाला सर्वोच्च पुरस्कार स्टुडन्ट ऑफ द इयर 2018 एवं 2019 बॅच को क्रमशः विनायक मोरे एवं अनुराग द्विवेदी को दिया गया स साथ ही इस वर्ष का ष्राष्ट्रीय सेवा योजना पुरस्कारष्स्वयंसेवक सर्वेश गायकवाड को प्रदान किया गया स कॉलेज की विशेषता एवं यादों को दर्शाने वाली स्मरणिका कृती **– The world of NAMC 2023-24"** का विमोचन भी किया गया।

इस कार्यक्रम मे संस्था के कोषाध्यक्ष श्यामसुंदर दुबे, अध्यक्ष जयप्रकाश दुबे, डायरेक्टर डॉक्टर ओमप्रकाश दुबे, संस्था की विश्वस्त प्रोफेसर डॉक्टर ऋजुता दुबे, प्राचार्या डॉक्टर हेमलता शेंडे, सभी अध्यापक, अध्यापकेतर कर्मचारी, पूर्व छात्र, विद्यार्थी एवं अभिभावक उपस्थित थे।

कार्यक्रम का सूत्रसंचालन डॉक्टर स्वाती भिंगारे और आभार प्रदर्शन जनरल सेक्रेटरी आकाश कदम द्वारा किया गया स पश्चात स्वादिष्ट भोजन के साथ कार्यक्रम सम्पन्न हुआ

प्रेषकः
प्रोफेसर डॉ. हेमलता शेंडे
प्राचार्या एवं विद्यार्थी परिषद
अध्यक्षा
नालासोपारा आयुर्वेद
मेडिकल कॉलेज,नालासोपारा

यूरिक एसिड से मुक्ति

तन के जोड़ों में यदि तुझे, अक्सर दर्द सताता है
देर तक बैठा रहना अगर, तुझको नहीं सुहाता है

हाथों पांवो की अंगुलियों में, सूजन यदि आती है
यदि शुगर की मात्रा भी, तेरे खून में बढ़ जाती है

यूरिक एसिड ने ही किया, ये सारा गड़बड़ झाला
आने वाले समय में तुझे, बहुत दुखी करने वाला

यही यूरिक एसिड कर देगा, मुश्किल तेरा जीना
कोल्डड्रिंक और तला हुआ, बंद कर खाना पीना

चावल, आलू, मिर्च मसाले, यूरिक एसिड बढ़ाते
आप नहीं खाते हो इनको, ये सब आपको खाते

सभी नशे नुकसानदेह, चाहे बीयर हो या शराब
नकली ताक़त देकर हमारी, सेहत करते खराब

उपहार के रूप में शरीर हमें, देता स्वयं भगवान
इसकी सेहत प्रति सबको, रहना होगा सावधान

यूरिक एसिड की बीमारी, अपने तन से मिटाओ
इसके उपचार के लिए, घरेलू नुस्खे आजमाओ

फाइबरयुक्त आहार की मात्रा, भोजन में बढ़ाओ
पालक, दलिया, ब्रोकली का, सेवन करते जाओ

आंवला एलोविरा का रस, तुम पीना सुबह शाम
अलसी पीसकर खाओ, तो खूब मिलेगा आराम

जैतून के तेल का सब्जी में, तुम करना इस्तेमाल
विटामिन सी भी देगा, यूरिक एसिड को निकाल

चौरी अगर मिल जाए कहीं, तो उसे जरूर खाना
यूरिक एसिड जमा होने से, तन के जोड़े बचाना

पौने घण्टा तेज चलकर, हर रोज पसीना बहाना
यूरिक एसिड के रोग पर, सहज नियन्त्रण पाना

सदा खाते रहना पौष्टिक, और सन्तुलित आहार
प्राणायाम भी होगा, स्वास्थ्य दिलाने में मददगार

परहेज रखकर, शुद्ध सात्विक आहार अपनाना
यूरिक एसिड नामक दुश्मन से, मुक्ति तुम पाना
शान्ति

मुकेश कुमार मोदी,
बीकानेर, राजस्थान

नववर्ष मेरा और आपका

दिव्यता से रंग जाए, नव वर्ष मेरा और आपका
विघ्न हो खत्म, जीवन खिले मेरा और आपका

दिव्य शक्तियों का ख़ज़ाना, हम पाएं बेमिसाल
सुनहरा नजर आए, नव वर्ष मेरा और आपका

शीतल चाँदनी बरसती रहे, हम सबकी राहों में
सुख शांति बरसती रहे, हम सबकी निगाहों में

सफलता के नभ पर, नाम हो मेरा और आपका
संकटमुक्त हो जाए, नव वर्ष मेरा और आपका

सबके चेहरों पर मुस्कान, सदा हमें नजर आए
एक दूजे से मेलजोल, हम सबके मन को भाए

सजा रहे सौगातों से, आंगन मेरा और आपका
स्वर्ग सा सुन्दर लगे, नव वर्ष मेरा और आपका
शान्ति

मुकेश कुमार मोदी,
बीकानेर, राजस्थान

डा0 मनमोहन सिंहः एक शानदार व्यक्तित्व ....

भारत के चौदहवें प्रधानमंत्री डॉ. मनमोहन सिंह विचारक और विद्वान के रूप में प्रसिद्ध है। वह अपनी नम्रता, कर्मठता और कार्य के प्रति प्रतिबद्धता के लिए जाने जाते हैं। प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह का जन्म 26 सितम्बर 1932 को अविभाजित भारत के पंजाब प्रान्त के एक गाँव में हुआ था। डॉ. सिंह ने वर्ष 1948 में पंजाब विश्वविद्यालय से मेट्रिक की शिक्षा पूरी की। उसके बाद उन्होंने अपनी आगे की शिक्षा ब्रिटेन के कैंब्रिज विश्वविद्यालय से प्राप्त की। 1957 में उन्होंने अर्थशास्त्र में प्रथम श्रेणी से ऑनर्स की डिग्री अर्जित की। इसके बाद 1962 में उन्होंने ऑक्सफ़ोर्ड विश्वविद्यालय के नूफिल्ड कॉलेज से अर्थशास्त्र में डी.फिल किया। उन्होंने अपनी पुस्तक "भारत में निर्यात और आत्मनिर्भरता और विकास की संभावनाएं" में भारत में निर्यात आधारित व्यापार नीति की आलोचना की थी. पंजाब विश्वविद्यालय और दिल्ली स्कूल ऑफ़ इकोनॉमिक्स में डॉ. सिंह ने शिक्षक के रूप में कार्य किया जो उनकी अकादमिक श्रेष्ठता दिखाता है। इसी बीच में कुछ वर्षों के लिए उन्होंने यूएनसीटीएडी सचिवालय के लिए भी कार्य किया। इसी के आधार पर उन्हें 1987 और 1990 में जिनेवा में दक्षिण आयोग के महासचिव के रूप में नियुक्ति किया गया।

1971 में डॉ. सिंह वाणिज्य मंत्रालय में आर्थिक सलाहकार के रूप में शामिल हुए। 1972 में उनकी नियुक्ति वित्त मंत्रालय में मुख्य आर्थिक सलाहकार के रूप में हुई। डॉ. सिंह ने वित्त मंत्रालय के सचिव; योजना आयोग के उपाध्यक्ष; भारतीय रिजर्व बैंक के अध्यक्ष; प्रधानमंत्री के सलाहकार; विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के अध्यक्ष के रूप में कार्य किया। डॉ सिंह ने 1991 से 1996 तक भारत के वित्त मंत्री के रूप में कार्य किया जो स्वतंत्र भारत के आर्थिक इतिहास में एक निर्णायक समय था।

आर्थिक सुधारों के लिए व्यापक नीति के निर्धारण में उनकी भूमिका को सभी ने सराहा है। भारत में इन वर्षों को डॉ. सिंह के व्यक्तित्व के अभिन्न अंग के रूप में जाना जाता है। डॉ. सिंह को मिले कई पुरस्कारों और सम्मानों में से सबसे प्रमुख सम्मान है दृ भारत का दूसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान पद्म विभूषण(1987); भारतीय विज्ञान कांग्रेस का जवाहरलाल नेहरू जन्म शताब्दी पुरस्कार (1995); वर्ष के वित्त मंत्री के लिए एशिया मनी अवार्ड (1993 और 1994); वर्ष के वित्त मंत्री के लिए यूरो मनी अवार्ड (1993), कैम्ब्रिज विश्वविद्यालय (1956) का एडम स्मिथ पुरस्कार; कैम्ब्रिज के सेंट जॉन्स कॉलेज में विशिष्ट प्रदर्शन के लिए राइट पुरस्कार (1955)। डॉ. सिंह को जापानी निहोन किजई शिम्बुन एवं अन्य संघो द्वारा सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. सिंह को कैंब्रिज एवं ऑक्सफ़ोर्ड तथा अन्य कई विश्वविद्यालयों द्वारा मानद उपाधियाँ प्रदान की गई हैं।

डॉ. सिंह ने कई अंतरराष्ट्रीय संगठनों और सम्मेलनों में भारत का प्रतिनिधित्व किया है। उन्होंने 1993 में साइप्रस में राष्ट्रमंडल प्रमुखों की बैठक में और वियना में मानवाधिकार पर हुए विश्व सम्मेलन में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया है। अपने राजनीतिक जीवन में डॉ. सिंह 1991 से भारतीय संसद के उच्च सदन (राज्य सभा) के सदस्य रहे जहाँ वे 1998 से 2004 तक विपक्ष के नेता थे। डॉ. मनमोहन सिंह ने 2004 के आम चुनाव के बाद 22 मई 2004 को प्रधानमंत्री के रूप के शपथ ली और 22 मई 2009 को दूसरी बार प्रधानमंत्री बने। डॉ. सिंह और उनकी पत्नी श्रीमती गुरशरण कौर की तीन बेटियां हैं। श्रद्धांजलि..

-संजय वर्मा
स्वतंत्र पत्रकार –सामाजिक विज्ञान, विज्ञान एवं खेलकूद
(गोरखपुर)

ज्ञान सरोवर
(हिन्दी साप्ताहिक)

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक पूजा प्रसाद पाण्डेय द्वारा नवभारत प्रेस लि. नवभारत भवन, प्लाट नं.13, सेक्टर–8, सानपाड़ा (पूर्व) नवी मुम्बई 400706 (एम.एस.) से मुद्रित तथा 11 गोकुलेश सोसायटी, पंडित मदन मोहन मालवीय रोड, मुलुण्ड (प.) मुम्बई 400080 (एम.एस.) से प्रकाशित।

सम्पादक
पूजा प्रसाद पाण्डेय
मो0– 9833567799

R.N.I.No.MAHHIN/2009/27377

Email: editor@gyansarovar.org
www.gyansarovar.org

समाचार पत्र में प्रकाशित समाचारों/लेखों में लेखकों तथा संवाददाताओं के अपने विचार हैं। किसी भी लेख/समाचार की जिम्मेदारी प्रकाशक/सम्पादक की नहीं होगी। सभी विवादों का न्याय क्षेत्र मुम्बई न्यायालय होगा।

जनवरी 2025

रविवार		5	12	19	26
सोमवार		6	13	20	27
मंगलवार		7	14	21	28
बुधवार	1	8	15	22	29
गुरुवार	2	9	16	23	30
शुक्रवार	3	10	17	24	31
शनिवार	4	11	18	25	

मार्च 2025

रविवार	30	2	9	16	23
सोमवार	31	3	10	17	24
मंगलवार		4	11	18	25
बुधवार		5	12	19	26
गुरुवार		6	13	20	27
शुक्रवार		7	14	21	28
शनिवार	1	8	15	22	29

मई 2025

रविवार		4	11	18	25
सोमवार		5	12	19	26
मंगलवार		6	13	20	27
बुधवार		7	14	21	28
गुरुवार	1	8	15	22	29
शुक्रवार	2	9	16	23	30
शनिवार	3	10	17	24	31

पाठकों, विज्ञापनदाताओं, समाचार पत्र प्रतिनिधियों एवं समस्त देशवासियों को **'ज्ञान सरोवर'** हिन्दी साप्ताहिक समाचार पत्र परिवार की ओर से नववर्ष 2025 के शुभ अवसर पर हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं।

– सम्पादक

Holiday- 2025

01 Jan	New Year's Day
14 Jan	Makar Sankranti / Pongal
26 Jan	Republic Day
26 Feb	Maha Shivaratri
14 Mar	Holi
30 Mar	Good Friday
31 Mar	Eid-ul-Fitar
06 Apr	Ram Navami
10 Apr	Mahavir Jayanti
01 May	Labour Day
12 May	Budhha Purnima
07 Jun	Bakra Id / Eid-ul-Adha
06 Jul	Muharram/Ashura
15 Aug	Independence Day
16 Aug	Janmashtami
27 Aug	Ganesh Chaturthi
05 Sep	Milad-un-Nabi/Onam
01 Oct	Maha Navami
02 Oct	Gandhi Jayanti
02 Oct	Dussehra
20 Oct	Diwali / Deepavali
23 Oct	Bhai Duj
28 Oct	Chhat Puja
05 Nov	Guru Nanak's Birthday
25 Dec	Christmas

फरवरी 2025

रविवार		2	9	16	23
सोमवार		3	10	17	24
मंगलवार		4	11	18	25
बुधवार		5	12	19	26
गुरुवार		6	13	20	27
शुक्रवार		7	14	21	28
शनिवार	1	8	15	22	

अप्रैल 2025

रविवार		6	13	20	27
सोमवार		7	14	21	28
मंगलवार	1	8	15	22	29
बुधवार	2	9	16	23	30
गुरुवार	3	10	17	24	
शुक्रवार	4	11	18	25	
शनिवार	5	12	19	26	

जून 2025

रविवार	1	8	15	22	29
सोमवार	2	9	16	23	30
मंगलवार	3	10	17	24	
बुधवार	4	11	18	25	
गुरुवार	5	12	19	26	
शुक्रवार	6	13	20	27	
शनिवार	7	14	21	28	

जुलाई 2025

रविवार		6	13	20	27
सोमवार		7	14	21	28
मंगलवार	1	8	15	22	29
बुधवार	2	9	16	23	30
गुरुवार	3	10	17	24	31
शुक्रवार	4	11	18	25	
शनिवार	5	12	19	26	

अगस्त 2025

रविवार	31	3	10	17	24
सोमवार		4	11	18	25
मंगलवार		5	12	19	26
बुधवार		6	13	20	27
गुरुवार		7	14	21	28
शुक्रवार	1	8	15	22	29
शनिवार	2	9	16	23	30

सितम्बर 2025

रविवार		7	14	21	28
सोमवार	1	8	15	22	29
मंगलवार	2	9	16	23	30
बुधवार	3	10	17	24	
गुरुवार	4	11	18	25	
शुक्रवार	5	12	19	26	
शनिवार	6	13	20	27	

अक्तूबर 2025

रविवार		5	12	19	26
सोमवार		6	13	20	27
मंगलवार		7	14	21	28
बुधवार	1	8	15	22	29
गुरुवार	2	9	16	23	30
शुक्रवार	3	10	17	24	31
शनिवार	4	11	18	25	

नवम्बर 2025

रविवार	30	2	9	16	23
सोमवार		3	10	17	24
मंगलवार		4	11	18	25
बुधवार		5	12	19	26
गुरुवार		6	13	20	27
शुक्रवार		7	14	21	28
शनिवार	1	8	15	22	29

दिसम्बर 2025

रविवार		7	14	21	28
सोमवार	1	8	15	22	29
मंगलवार	2	9	16	23	30
बुधवार	3	10	17	24	31
गुरुवार	4	11	18	25	
शुक्रवार	5	12	19	26	
शनिवार	6	13	20	27	